बकरी की खरीद कब व कहां से करें?

डॉ. राजकुमार बेरवाल (MVSc, Ph.D.)

प्रभारी अधिकारी एवं सहायक आचार्य

पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रसार एवं अनुसंधान केन्द्र, सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)

फोन : 01509-221448, e-mail: vutrcsuratgarh.rajuvas@gmail.com

सम्पर्क सूत्र - डॉ. अनिल घोड़ेला, मो. 99280-22555

RSETI
Rural Self Employment Training Institutes
Powering Rural Entrepreneurship

ओ बी सी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान

श्रीगंगानगर-335001 (राजस्थान)

प्रसार शिक्षा निदेशालय

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय

बीकानेर-334001 (राजस्थान)

Scanned with CamScanner

बकरी पलन एक लाभकारी व्यवसाय है। अपेक्षाकृत अनुपजऊ जमीन व कम वर्षा वाले क्षेत्रों में इसका विशेष महत्व है। तकनीकी सक्षमता एवं बकरी मांस के तेजी से बढ़ते हुए बजार मूल्य के कारण पैदा आर्थिक संभावनाओं के चलते इस कृषि व्यवसाय क तेजी से विकास हो रहा है। महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडू आदि राज्यों में बहुत से उद्यमियों ने बकरी पालन व्यवसायिक स्तर पर शुरू किया है। नये बकरी पालकों के सम्मुख एक मुख्य प्रश्न रहता है कि अच्छी प्रजनक बकरी कब और कहं से खरीदें? किसी भी नस्ल की बकरी उसके गृह क्षेत्र के प्रगतिशील बकरी पालकें से खरीदनी चाहिए। बकरी खरीदने से पूर्व एक बार उस क्षेत्र के पशु हाटों का सर्वेक्षण करना आवश्यक है, जिससे पशुओं का सही मूल्य निर्धारण किया जा सके। बकरी फर्म पर प्रजनन हेतु मादा १ से १.५ वर्ष की आयु की व प्रजनक नर १.५ से २ वर्ष की आयु के होने चहिए। उत्तर भारत में बकरी खरीदने का उपयुक्त समय फरवरी मर्च या अक्टूबर नवम्बर है, क्योंकि इन महीनें में न अधिक गर्मी व न अधिक सर्दी होती है। यदि बकरियों को दूर ले जाना हो तो खरीदने के बाद उनके परिवहन से पहले बीमा करा देना चाहिए। बकरियों को नये क्षेत्र में ले जाने से पूर्व पी.पी.आर., गोट पोक्स आदि बीमारियों के टीके भी लगवा देने चाहिए।

उत्पादन के आधर पर एक अच्छी दुकजी नस्ल होने व सघन पद्धति के अन्तर्गत सफलता पूर्वक पाले जाने की विशेषता के कारण बरबरी बकरी की मांग बहुत अधिक रहती है। इस नस्ल क गृह क्षेत्र अगरा मण्डल है- जिसमें अगरा, मथुरा, अलीगढ़, एटा, फिरोजाबाद, हाथरस व मैनपुरी जिले आते हैं। इस नस्ल की बकरी खरीदने के दे मुख्य स्रोत हो सकते हैं। एक बकरी पालकों से गांव-गांव जाकर सीधे या बिचौलिये के माध्यम से बकरी खरीदें। दूसरा छोटे-छोटे कस्बों व गांवों में लगने वाले पशु हाटों या बड़े शहरों की बकरा मंडियों से भी सीधे बकरी खरीदी जा सकती है। यह तथ्य ध्यान रखना चाहिए कि बड़ी बकरा मंडियों की तुलना में गांव में बकरी पालकों व छोटे-छोटे पशु हाटों में अधिक अच्छे प्रजनक पशु मिलने की संभावना रहती है। उपयुक्त यह है कि जिस क्षेत्र से बकरियां खरीदनी हैं एक बार उस क्षेत्र के अधिकतर पशु हाटों क सर्वेक्षण कर बकरियों के स्वास्थ्य, मूल्य व उम्र आदि का तुलनात्मक अध्ययन कर दूसरे दौर में बकरियां खरीदी जायें। आगरा मण्डल, जो कि बरबरी व जमुनपानी बकरी का गृह क्षेत्र है, के प्रमुख पशु हाटों का विवरण यहां दिया गया है। इन पशु बाजारों में में खरीद प्रात: 6बजे से मध्यान्ह 12 बजे तक की जा सकती है। जमुनापानी नस्ल की बकरी विशेष तौर पर इटावा जिले के चकरनगर ब्लॉक के गांवों से खरीदी ज सकती है। यह बकरी सप्ताहिक पशु हाटों जैसे- बावरपुर, मुरादगंज (ओरैया) व बकेबर, भरथना व इटावा (इटावा) से भी खरीदी जा सकती है। आगरा मण्डल के अतिरिक्त दर्शाये गये पशु हाटों जैसे-महुवा, बालाहेड़ी, जयपुर व अजमेर से सिरोही

आगरा मण्डल से बाहर के कुछ प्रमुख बकरी बाजार

कानपुर (उ०प्र०)	कालपि	मंगलवार
जयपुर (राज०)	जयपुर बकरा मण्डल	शुक्रवार
दौसा (राज०)	महुवा	सोमवार
दौसा (राज०)	बालाहेड़ी	मंगलवार
भरतपुर (राज०)	भरतपुर	सोमवार, मंगलवार
अजमेर (राज०)	अजमेर	मंगलवार, शनिवार

Scanned with CamScanner